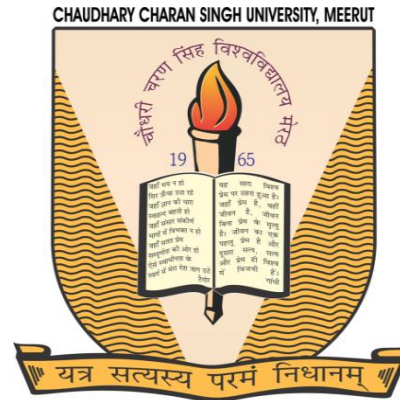


CHAUDHARY CHARAN SINGH UNIVERSITY, MEERUT, UTTAR PRADESH



Registrar
Ch. Charan Singh University
Meerut

7.1.11 World Environment Day

World Earth Day 2022



**Plantation on World Earth day
22-04-2022
Department of Sociology**



**Poster Competition On the occasion on Earth Day
22-04-2022
Department of Legal Studies**



World Environment Day.

5-06-2022

Department of Physics, CCSU, Meerut



**World Environment Day.
5-06-2022
Department of Physics, CCSU, Meerut**



दुर्लभ व स्थानिक प्रजातियों के पौधों के संरक्षण को सैपलिंग लगाई

मेरठ (एसएनबी)। चौधरी चरणसिंह विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान में 25 दुर्लभ और एन्डेमिक प्रजातियों के पौधों का कैम्पस में संरक्षण के लिए प्रवेश कराया गया। हर प्रजाति की दो-दो सैपलिंग लगायी गयी। यह सभी स्पीशीज बायोटैकनिकल सर्वे ऑफ इंडिया (बीएसआई) ने उपलब्ध करायी है। बीएसआई के वैज्ञानिक डॉ. रमेश कुमार पालीवाल द्वारा इन्हें लाकर यहां वनस्पति विज्ञान विभाग को दी गयी।

वनस्पति विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रोफेसर विजय मलिक ने बताया कि प्लांटेशन के इस तरह के कार्यक्रम का उद्देश्य विश्वविद्यालय में उच्चस्तरीय कंजरवेटरी विकसित करना है। इससे दुर्लभ प्रजातियों को विलुप्त होने से भी बचाया जा सकता है। इतने बड़े स्तर पर विश्वविद्यालय में यह पहली बार एन्डेमिक और दुर्लभ प्रजातियों का प्रवेश कराया गया है। इस तरह पौधों के प्रवेश से रिसर्च स्कॉलर, साइंटिस्ट और टीचर्स को फायदा पहुंचेगा। विजय मलिक ने कहा कि इन दुर्लभ और एन्डेमिक प्रजातियों के पौधों में एसर आबलोनाम एकोरस कैलेमस, एल्पिनिया कैलकराटा, एल्पिनिया मैलाक्सेन्सिस एल्पिनिया जेरूमबेट, एल्सटोनिया मैक्रोफिला, आर्टोकार्पस लैकुकप, ब्रगमैन्सिया सुआविपोलेन्स, क्लोरोफाइटम टूबेरोसम, सिनामोमम

तमाला, ग्लोब्बा स्कोमबर्गकी, हेडीचियम फलेवेसेन्स, हेडीचियम रूब्रम, जैस्मीनम पारकेरी, मुसा सिक्कि मेन्सिस, मुसा वेलुटिना, फ्लोमोइड्स सुप्रबा, पाइपर बेटल, पाइपर लॉगम, पिटोस्पोरम इरियोकार्पस, क्वेरकस अबलोनाटा, सोफोरा मोलिस, टर्मिनेलिया इलिप्टिका, जैन्थोजाइलम आरमेटम और जिजीबर रूबेन्स शामिल है। इनमें से जैन्थोजाइलम आरमेटम, जैस्मीनम पारकेरी, मुसा सिक्कि मेन्सिस, फ्लोमोइड्स सुप्रबा, पिटोस्पोरम इरियोकार्पस और सोफोरा मोलिस एन्डेमिक स्पीशीज है।

जैस्मीनम पारकेरी हिमाचल प्रदेश के चम्बा जिले में, मुसा सिक्कि मेन्सिस मणिपुर के सेनापति जिले में, फ्लोमोइड्स सुप्रबा वेस्टर्न हिमालय में, पिटोस्पोरम इरियोकार्पस हिमाचल प्रदेश में, सोफोरा मोलिस नार्थ-वेस्ट हिमालय के प्लेन्स और फुटहिल्स में और जैन्थोजाइलम आरमेटम पाकिस्तान में मिलते हैं। कार्यक्रम में वनस्पति विज्ञान विभाग के रिसर्च स्कॉलर्स ने बढचढकर भाग लिया। हर रिसर्च स्कॉलर को भविष्य के लिए 2-2 सैपलिंग के संरक्षण की जिम्मेदारी दी गयी। कार्यक्रम में विभाग के रिसर्च स्कॉलर्स विवेक कुमार, ललिता सैनी, अर्चस्वी त्यागी, पूजा जैन, संदीप कुमार, मनीष कुमार, महेन्द्र सिंह, ज्योति चौधरी, चंदन यादव, कुलदीप कुमार भी शामिल रहें।

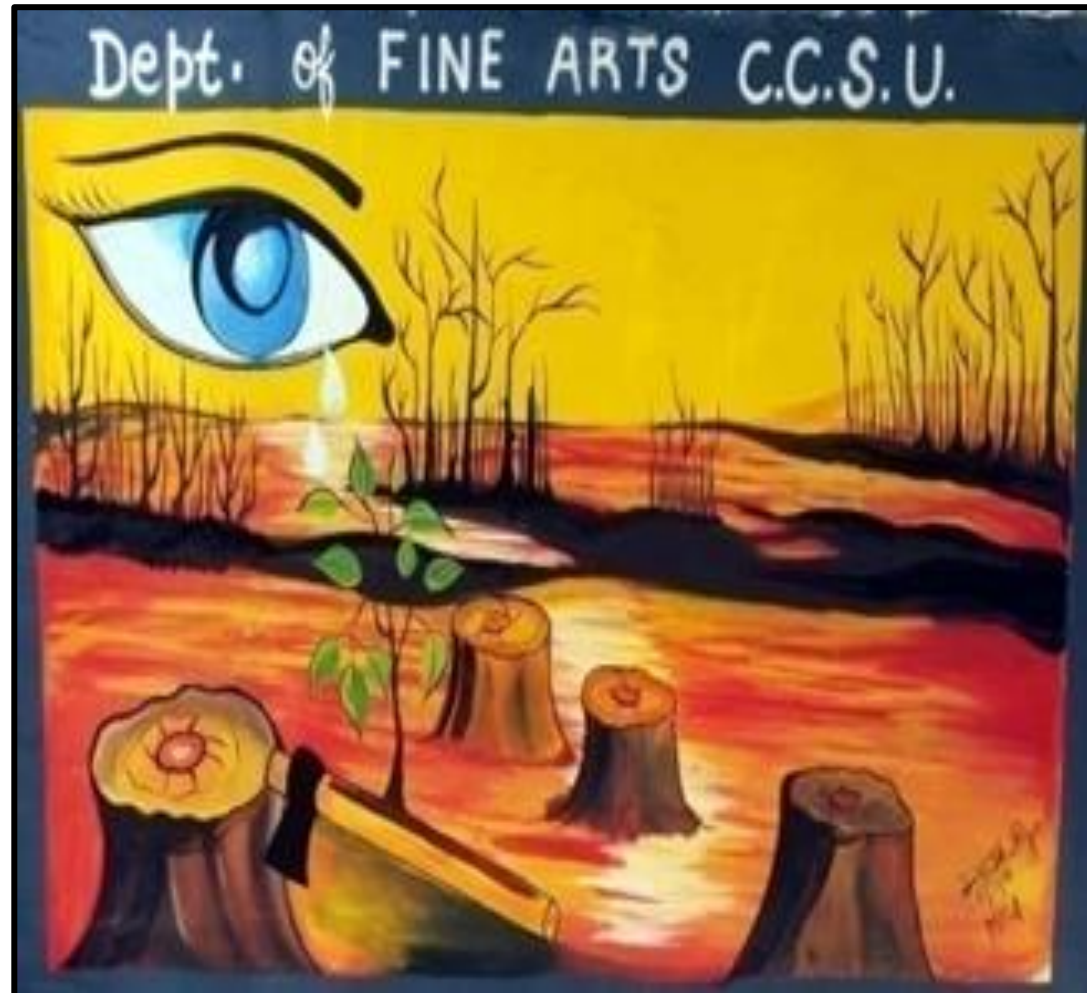
Plantation drive
17-07-2022
Department of Botany



**World Environment day
05-06-2017**



World Environment day
05-06-2017



World Environment day
05-06-2017